Concern over declining flight operations from Amritsar international airport

श्री श्वेत मलिक: डिप्टी चेयरमैन सर, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक बहुत महत्वपूर्ण इश्यू पर बोलने के लिए समय दिया है। सर, इश्यू है, 'Rise and fall of Amritsar International Airport, Guru Ram Dass Jee International Airport."

सर, यह एयरपोर्ट आजादी के पहले, before 1947 से, काम कर रहा है। इस एयरपोर्ट से जब कश्मीर के लिए लिफ्ट किया था, उसमें इस एयरपोर्ट का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उसके बाद जब जनता पार्टी की सरकार आई, और जब अमृतसर से काबुल के लिए फ्लाइट शुरू हुई, तो इस एयरपोर्ट को primarily एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्ज़ा मिला। सर, वह बहुत profitable flight रही। उसके बाद मैं धन्यवाद दूंगा माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को, जिन्होंने यह समझा कि यह एक ऐसा एयरपोर्ट है which can be an alternative to the Delhi International Airport which can reduce the traffic congestion from Delhi international Airport. इसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्ज़ा दिया गया और उस समय कई फ्लाइट्स उस समय यहां से शुरू हुई। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की तरफ से इस एयरपोर्ट को elevate करने के लिए जो 500 करोड़ से अधिक की investment की गयी थी, उससे वहां infrastructure बहुत बढ़िया है - वहां एयरो ब्रिजेज़ हैं और हर तरह का infrastructure है।

अब 2010 तक यह एयरपोर्ट बहुत अच्छी तरह चला। वहां काफी इंटरनेशनल फ्लाइट्स आईं और यह profidable airport था। यह एयरपोर्ट की potential इसलिए भी है क्योंकि अमृतसर में हरमंदिर साहब हैं और हर साल साढ़े 3 करोड़ श्रद्धालु अमृतसर आ रहे हैं। उसकी वजह से 50 परसेंट विजिटर्स जो दिल्ली एयरपोटर्स पर आते हैं, वे पंजाब से आते हैं, लेकिन इस एयरपोर्ट के साथ conspiracy हुई। यहां Hon. Aviation Minister भी हैं, और Hon. MoS Aviation भी हैं, उसके बाद उस एयरपोर्ट की फ्लाइट्स को sabotage किया गया। पहले एयर इंडिया की फ्लाइट बर्मिंघम, यू0एस0 कनाडा को पूरी जाती थी क्योंकि वहां पर पंजाबी हैं। उसके बाद सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाट्स आयीं और वे भी बहुत अच्छी चलीं। जेट एयरवेज ने चलायी, वह बहुत अच्छी चली, लेकिन एक-एक कर के उन फ्लाइट्स को दिल्ली एयरपोर्ट के साथ divert किया गया। जो अमृतसर एयरपोर्ट के potential को conspiracy कर के दिल्ली एयरपोर्ट को लाभान्वित करने के लिए divert किया गया और जब से जीएमआर आई है, तब से सारे काम खत्म हो गए हैं। जीएमआर ने दिल्ली-अमृतसर-लंदन-टोरेंटो की एक बहुत बड़ी फ्लाइट थी, उसका आप डाटा चैक कीजिए, आप सिंगापुर एयरलाइंस का डाटा चैक कीजिए, कार्गो डाटा चैक कीजिए। इनके फिगस बोलते हैं कि कितनी profitability थी। उसे divert कर के ... दिल्ली-अमृतसर, अमृतसर-दिल्ली, वह फिर अमृतसर से उड़कर लंदन जाती है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time over. Time over. ...*(Interruptions)*...

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

सरदार सुखदेव सिंह ढिंडसा (पंजाब): सर, मैं इस विषय से अपने आपको associate करता हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय से अपने आपको associate करती हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): सर, मैं भी इस विषय से अपने आपको associate करती हूं।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): सर, मैं भी इस विषय से अपने आपको associate करता हूं।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*... Sir, the GMR ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Renuka Chowdhury. ...*(Interruptions)*... Shrimati Renuka Chowdhury. ...*(Interruptions)*...

Concern over bulk transfer of teachers in Kendriya Vidyalayas in Khammam, Telangana by KVS

SHRIMATI REUNKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Sir, I am raising a matter of urgent public importance. Kendriaya Vidyalayas are being established all over the country for the benefit of our Central Government employees and their children so that we facilitate a uniform and quality education spread equally across the nation. Today, unfortunately, Sir, in a new State like Telangana, disproportionately, a very few Kendriya Vidyalayas have been established, and one of them is in my district in Khammam where this Kendriya Vidyalaya was established in 2007. Surprisingly and absurdly, today, Sir, the total strength of the school is 1,220 children, which means we have a predominant profile of SC and ST children also because it is a reflection of the large population that we have there.

Now, Sir, as per the actual teacher-student ratio, there should have been 52 teachers in this school, but there are just 24 regular teachers, out of which — now you can hold your breath — 19 teachers have been transferred through a bulk transfer order. They have served for less than a year, or about a year, in this Kendriya Vidyalaya and only five regular teachers are left working in this school. Now, as per the schedule, Sir, the exams are going to start in August, 2016. How do you think these children would be able to appear in these exams? Why has this discriminatory policy been put in place? How can they be so unintelligent as to transfer teachers in bulk from a school that has been established in a district with a large SC/ ST population? Because of this the children and the school administration are feeling severely handicapped.

Sir, through you, I request the Government to take cognizance of this, issue immediate orders and ensure that in future such ridiculous and arbitrary transfers do not take place ...*(Interruptions)*...